संस्थान के प्रिय संकाय सदस्यों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों सारे समुदाय एवं उनके परिवार के सदस्यों।

देवियों और सज्जनों।

मैं देश के 64 वें स्वतंत्रता दिवास के शुभ अवसर पर भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के समस्त समुदाय के सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूॅ। हम सभी उन स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान के बारे में जानते हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए लडाई लडी। भारत के गणतंत्र द्वारा जीवन की स्वंतत्रता, संविधान के सम्मुख समानता एवं हर–एक व्यक्ति के विकास के लिए समान अवसर की मान्यता एवं आश्वासन दिया गया है, जो विकास का एक स्त्रोत है जिसे आज हम सभी देख रहे है। हम उस स्वतंत्रता के फल का आनंन्द ले रहे हैं, जो विदेशी शासन के विरूद्ध पराक्रमी अवज्ञा का परिणाम है। राष्ट्र उन श्रेष्ठ आत्माओं को अपनी श्रद्धांजलि देता है, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी।

विश्व आज भारत को उसकी अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विनिर्माण एवं कृषि के क्षेत्रों में विकास की गति के कारण सर्वाधिक प्रभावशाली देशों की कतार में गिनने को बाध्य हैं। देश समस्त विलक्षणताओं के विरूद्ध संवैधानिक

मूल्यों वं राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के लिए अपनी सर्वोच्च अखंडता प्रर्दशित करता है।

संस्थान जिसने वर्तमान में अपनी स्थापना के तीसरे चरण में प्रवेश किया है एवं विकास के एक महत्वपूर्ण चरण से गुजर रहा है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में संस्थान में कुल विद्यार्थीयों की संख्या 205 तक पहुच गई है, जिनमें 49 पीएचडी के विद्यार्थी भी भामिल हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में प्रवेश की उल्लेखनीय विशेषता यह है इस बार छात्राओं ने अधिक संख्या में प्रवेश लिया है जो कुल नये छात्रों के प्रवेश का 50 प्रतिशत से भी अधिक है। यह उन्नति एवं शुभ विकास का एक संकेत है। मैं उन समस्त विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूॅ, जिन्होंने आईआईएसईआर भोपाल को अपने शैक्षणिक गन्तव्य के रूप में चुना है।

संस्थान ने अपने शैक्षणिक सत्र में इन छात्र–छात्राओं के रहने की व्यवस्था वर्तमान में मिनाल रेसीडेन्सी के अलावा आईआईएसईआर भोपाल के ट्रांजिट कैंपस में भी की है।

संस्थान कुछ नए अस्पतालों एवं चिकित्सकों को अधिकृत कर, अपने समुदाय के सदस्यों के लिए स्वास्थ सुविधाओं को और अधिक मजबूत करने जा रहा है।

मैं स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आईआईएसईआर भोपाल के उन समस्त संकाय सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूॅ, जिन्होंने पदक एवं परियोजनाएं

प्राप्त की हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नल्स में अपने पत्र प्रकाशित किए है। मैं यहॉ पर जैव विज्ञान विभाग के डॉ. आर. महालक्ष्मी का विशेष उल्लेख करना चाहूॅगा, जिन्होंने भारत सरकार के जैव विज्ञान विभाग द्वारा इन्नोवेटिव यंग बायोटेकनॉलाजिस्ट अवार्ड (IYBA) 2009 अर्जित किया है। मेरी कामना है कि इस संस्थान के समस्त संकाय सदस्य ऐसे ही और अधिक पदक एवं पुरस्कार अर्जित करेंगे।

आप सभी अवगत होंगे कि हम लगतार संस्थान में संकाय सदस्यों की नियुक्ति कर रहें है। इन संकाय सदस्यों में से कुछ वर्तमान सत्र से ही संस्थान में अपना शिक्षण कार्य प्रारंभ करेंगे। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हम संस्थान के समस्त नये संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते है।

संस्थान में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के प्राप्त होने की शुरूआत हो चुकी है। संस्थान अधिक से अधिक परियोजनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। इन परियोजनाओं के प्राप्त होने पर संस्थान के अनुसंधान एवं विकास विभाग को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी।

संस्थान निर्माण विभाग के कुशल देख–रेख में संस्थान के भौरी परिसर का निर्माण कार्य प्रांरभ हो चुका है। प्रथम चरण के अन्तर्गत भवनों का निर्माण कार्य जुलाई 2011 तक पूरा होने की संभावना है। मुझे आप सभी को यह बताते हुए बडे

हर्ष की अनुभूति हो रही है कि सेन्ट्रल इन्सट्रुमेन्टेशन लैबोरेटरी सितम्बर 2010 तक बनकर तैयार हो जाएगी और उसमें शीघ्र ही प्रायोगिक कार्य भी प्रारंभ हो जाएंगें। 250 सीटों वाला एक छात्रावास सन् 2011 के ग्रीष्म काल तक उपलब्ध करा दिया जाएगा। मुझे विश्वास है कि आईआईएसईआर भोपाल के अगस्त 2011 के अगले बैच का प्रवेश भौरी के नए परिसर में ही होगा। हम दिसम्बर 2010 के अन्त तक भवन निर्माण का दूसरा चरण प्रारंभ करने जा रहे हैं, जिसे जून 2012 तक पूरा कर लिया जाएगा। गृह (GRIHA) के मानदण्डों के अनुसार, परिसर के सभी भवन पर्यावरण के अनुकूल हैं।

मैं आशा करता हूॅं कि हम अगला स्वतंत्रता दिवस भौरी के नए परिसर में मनाएगें। साथ ही मैं सभी छात्र–छात्राओं के सफल शैक्षणिक वर्ष की कामना करता हूॅं।

जय हिन्द।

My dear faculty members, officials of the institute, students, staff members and all the community members of the institute and the respective family members,

Ladies and Gentlemen!

At the outset, I wish to extend my heartiest wishes to the entire community members of IISER Bhopal on the occasion of the 64th Independence Day of the Nation.

We all know about the supreme sacrifice of the freedom fighters who fought for the independence of the Nation. The importance of freedom of life, equality before the constitution and the equal opportunities for the development of each individual is well recognized and guaranteed by the Republic of India, which is a source for the development that we are all witnessing today. We are enjoying the fruits of independence, which is a result of valiant defiance against the foreign rule. The Nation pays a glowing tribute to the noble souls who have lost their lives for the cause of independence of the country.

The world today is forced to recognize India as one amongst the most influential Nations with its pace of development in terms of economies, science and technology, manufacturing, agriculture etc. The country has been demonstrating its highest integrity in protecting the constitutional values and the national security against all odds.

The Institute which is presently in its third year of inception is going through a very important phase of development. In the current academic year, we have achieved a total strength of 205 students including 49 doctoral students. The noteworthy feature of the admissions in the current academic year is that we have a strength of girl students which is more than 50% of the total new admissions. This is a sign of progression and a very auspicious development. I congratulate all the students who have chosen IISER Bhopal as their academic destination.

The Institute had made arrangements for the stay of these girl students as well as the boys from the current batch on the transit campus of IISER, Bhopal besides the existing arrangements available at Minal Residency.

The Institute is going to strengthen the healthcare facilities by roping-in certain new hospitals and physicians to ensure sufficient medical and healthcare support for the community.

On the occasion of the Independence day, I wish to congratulate all the faculty members of IISER, Bhopal who have won awards, projects and published papers in the journals of international repute. I wish to make a

special mention of Dr. R. Mahalaxmi of Biology Department, who has been awarded the Innovative Young Biotechnologist Award (IYBA) 2009 by the Department of Biotechnology, Govt. of India. I wish that all the faculty members of this Institute bring many more laurels of this kind.

You are all aware that we are continuously increasing the strength of faculty members and some of them have joined in the current semester. We welcome all the new faculty members and the staff members on board.

The research and development projects have started coming in and the Institute looks forward to receive more and more projects that will strengthen the research wing of our Institute.

The construction activity at Bhauri campus of the Institute is going on in a very satisfactory manner under the efficient supervision of the Institute's Works Department. The buildings under Package-I are expected to be completed by July 2011. I am happy to convey you all that the Central Instrumentation Laboratory is expected to be ready by September 2010 and we will be able to use the same very soon. One hostel of 250 seats will be made available during the summer of 2011. The next batch of IISER, Bhopal may be admitted on the new campus by August 2011.

We are also going to take-up the construction work for building the facilities under Package–II before the end of December 2010. The buildings under package -II may be completed by June 2012. By way of adopting GRIHA rating norms for our buildings, all the campus buildings are going to be green rated ones.

I wish that we all celebrate the next Independence Day on the new campus at Bhauri and wish you all a very successful academic year.

Jai Hind!